सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है। शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 20 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 20 फरवरी, 2025

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान पर जीत... 7 | गुजरात में आप ने मोदी-शाह की... 3 | नारी के मान-सम्मान की रक्षा... 2

योगी सरकार ने पेश किया यूपी में आंकड़ों का बजट!

विपक्ष ने कहा- बजट में जनता के लिए कुछ नया नहीं

- सपा ने बजट को घोटालों की पटकथा करार दिया
- भाजपा बोली- जनता का कल्याण करने वाला बजट
- 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 06 लाख रुपये का प्रावधान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना साल 2025 -2026 के लिए गुरुवार को राज्य का बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने चौपाई सुनाते हुए बजट भाषण की शुरुआत की। वित्तमंत्री ने इस बार यूपी बजट के लिए 8 लाख करोड़ से ज्यादा लगभग 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 06 लाख रुपये की धनराशि की घोषणा की। उधर बजट पेश होने के बाद सियासी बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया। विपक्ष ने बोला प्रदेश की जनता के हित में कोई नई योजना नहीं है।

विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का बजट भाषण खत्म होने के बाद जब सभी सदस्य बाहर निकले तो समाजवादी पार्टी सहासचिव शिवपाल सिंह यादव पर बड़ा दावा कर दिया। उन्होंने इस बजट को घोटालों की पटकथा करार दिया है। बजट से पहले वित्त मंत्री ने अपने आवास पर पूजा अर्चना की। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में रामचरितमानस की चौपाई पढ़ते हुए बजट की घोषणाएं करनी शुरू की। योगी सरकार के इस मेगा बजट में अवस्थापना विकास के लिए 22 प्रतिशत, शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि और सम्बद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए 4 प्रतिशत एवं संसाधन आवंटित किये गये हैं। बजट में पूँजीगत परिव्यय कुल बजट का लगभग 20.5 प्रतिशत है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा

उत्तर प्रदेश को तकनीकी हब बनाने के लिए योगी सरकार ने कई नई योजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव बजट के जरिए पेश किया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी की स्थापना की जाएगी, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही साइबर सिक्योरिटी में टेक्नोलॉजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क स्थापित करने की योजना, जिससे डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल है।

6 प्रतिशत बजट का प्रावधान स्वास्थ्य सेवाओं के लिए है

4 प्रतिशत बजट सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए आवंटित किया गया है

13 प्रतिशत बजट शिक्षा के क्षेत्र में आवंटित किया गया है

शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा निवेश

योगी सरकार ने शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 13 प्रतिशत बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए निर्धारित किया है। इसमें प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासेस स्थापित करने का प्रस्ताव है। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासेस शुरू करने की योजना भी शामिल है। इसके अलावा प्रदेश में शोध और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं बजट में प्रस्तावित हैं।

जनहित का बजट है : सुरेश खन्ना

वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने गुरुवार को कहा कि राज्य का बजट 'जन हित का बजट है जिसे जनता के कल्याण को ध्यान में रखकर बनाया गया है। बजट से पहले अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए खन्ना ने कहा, बजट में समाज के हर वर्ग- गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, महिला, युवा और आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया गया है.सही मायने में यह जनहित का बजट है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश करने से पहले कहा कि अधूरी ख्वाहिशें जीने का मजा देती है, सब मांगें पूरी हो जाएंगी तो तमन्ना किसकी करोगे। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना है।

बजट की प्रमुख बातें

- बजट आकार 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपये ,जो वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है। इस साल के बजट में पूंजीगत परिव्यय कुल बजट का लगभग 20.5 प्रतिशत है।
- विधान सभा को आधुनिक आईटी सिस्टम से लैस करने के लिये बजट में विशेष रूप से व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।
- प्रत्येक गांव से निर्धनतम परिवारों को चिन्हित कर उनकी आय को कम से कम 1,25,000 रुपये प्रति वर्ष तक ले जाना।
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए 4 प्रतिशत बजट आवंटित किया गया है, जिसमें पेंशन, छात्रवृत्ति, आदि शामिल है.रोजगार सृजन के लिए मनरेगा, कौशल विकास मिशन, युवा उद्यमी विकास अभियान आदि के लिए विशेष प्रावधान किए गए है।
- स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 6 प्रतिशतबजट का प्रावधान है, जिसमें आयुष्मान भारत योजना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन आदि शामिल है।
- किसानों को आर्थिक सहायता, फसल बीमा, सोलर पंप योजना, गन्ना मूल्य भुगतान आदि के लिए 11प्रतिशज बजट आवंटित।
- शिक्षा के क्षेत्र में 13 प्रतिशत बजट आवंटित किया गया है, जिसमें स्कूलों में आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लासेस, पॉलिटेक्निकों में डिजिटल लाइब्रेरी आदि बनाने की योजना है।

मेधावी छात्राओं को स्कूटी देगी सरकार

वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि मेधावी छात्राओं को स्कूटी देने का ऐलान किया है।
वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि पात्रता के आधार पर स्कूटी दी जाएगी। सरकार की तरफ से राजकीय पॉलीटेक्निकों में स्मार्ट क्लासेज तथा पूर्णतया डिजिटल लाईब्रेरी की स्थापना की योजना प्रस्तावित की गयी है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश को बढ़ावा

प्रदेश में बुनियादी ढांचे और इंफ्रास्ट्रक्रर को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित किया है। इसमें सड़क निर्माण, औद्योगिक विस्तार, परिवहन व्यवस्था और निवेश को आकर्षित करने जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है।

जनता को कुछ नया नहीं प्राप्त होने वाला : माता प्रसाद पांडेय

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सपा नेता माता प्रसाद पांडे ने उत्तर प्रदेश के बजट पर कहा, इस बजट में प्रदेश की जनता को कुछ नया नहीं प्राप्त होने वाला है, बजट में नौजवान और बेरोजगारों के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है।

जुमलों की किताब की जगह जनता की जरूरत का बजट बनाएं : शिवपाल

सपा नेता शिवपाल यादव ने उत्तर प्रदेश के बजट पर कहा, यह बजट एक बड़े घोटाले की पटकथा है, अगर यही विकास है तो जनता को अंधकार से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए और इसलिए मैं इस बजट को पूरी तरह से खारिज करता हूं, मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि अगली बार जुमलों की किताब की जगह जनता की जरूरत का बजट बनाएं, हम 2027 में जनता के हित में एक बेहतर बजट लाएंगे।

श्रमिकों के लिए नई योजनाएं

वित्त मंत्री ने बताया कि जिला मुख्यालयों में कामगार/श्रमिक अड्डे बनाए जाएंगे। इनमें कैंटीन, पीने का पानी, स्नानागार और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह योजना श्रमिकों के रोजगार और जीवन स्तर सुधारने में मददगार साबित होगी।

नारी के मान-सम्मान की रक्षा करने में भाजपा सरकार विफल : अखिलेश

स्नान के वीडियो बेचने के मामले में योगी प्रशासन को घेरा

» बोले- राष्ट्रीय महिला आयोग संज्ञान लेकर सक्रिय हो

हयात अब्बास/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ में नारी के मान-सम्मान की रक्षा करने में भाजपा सरकार विफल रही है। पुण्य कमाने आई स्त्री शक्ति की तस्वीरों के सरेआम बेचे जाने के समाचार पर श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय महिला आयोग संज्ञान लेकर सक्रिय हो और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे। अखिलेश बुधवार को आचार्य नरेंद्र देव की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि के बाद मीडिया से मुखातिब थे।

उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री ने कहा कि 100 करोड़ लोगों के लिए व्यवस्था की गई है तो लोग आश्वास्त हो गए कि व्यवस्था अच्छी होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस कुंभ में सर्वाधिक लापता व्यक्तियों के मामले हैं, सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। स्नान के लिए जल की गुणवत्ता में कमी से तमाम लोग स्नान के बाद बीमार हो गए हैं। उनके इलाज की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए। मृतक आश्रितों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जल में गुणवत्ता की कमी की रिपोर्ट दी है। तमाम नाले गंगा में गिर रहे हैं। अखिलेश ने तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी के मृत्युकुंभ बयान पर कहा कि जो ममता बनर्जी ने कहा है, वो सही है। उनके राज्य के लोगों की भी जानें गई हैं। बंगाल व अन्य राज्यों से आए लोगों की बड़ी संख्या में मौत हुई है। एफआईआर भी दर्ज नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री का विकास से कोई लेना-देना नहीं है। अगर रिकॉर्ड देखें, तो 11 लाख प्राइमरी स्कूल बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब आदमी का संतुलन बिगड़ा हो तो जबान भी बिगड़ जाती है। यह वे लोग हैं, जो महाकुंभ का महाघपला कर रहे हैं।

अपने दावे पूरे नहीं कर पाई योगी सरकार : लाल बिहारी

नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि 100 करोड़ लोगों के स्नान की व्यवस्था का दावा करने वाली सरकार 50 करोड़ लोगों के लिए भी समुचित इंतजाम नहीं कर सकी। मुआवजा न देना पड़ जाए, इसलिए घायलों और मृतकों की सही संख्या जारी नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुंभ में हुई भगदड़ में गाजीपुर के सर्वजीत की मौत हुई, लेकिन उसे कहीं रिकॉर्ड में नहीं लाया गया। घायलों और मृतकों को ट्रैक्टर-ट्रालियों से फिंकवाया गया। सत्ता पक्ष के सुरेंद्र चौधरी समेत कई सदस्यों ने लाल बिहारी की बातों को असत्य बताते हुए विरोध किया। नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कुंभ संसार का सबसे बड़ा मेला है। वहां हुई भगदड़ की घटना पर अफसोस है। इसमें कुल 30 लोगों की मौत हुई, जिसमें 29 की पहचान हो चुकी है। एक मृतक का डीएनए सैंपल सुरक्षित रख लिया गया है। 36 घायलों में से 35 इलाज के बाद घर जा चुके हैं। जबकि, एक अभी अस्पताल में भर्ती है।

महाकुंभ को लेकर सीएम योगी डिस्टर्ब हो गये हैं: अवधेश प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- महाकुंभ को योगी बाबा ने कलंकित किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि महाकुंभ को लेकर मुख्यमंत्री डिस्टर्ब हो गए हैं।अवधेश प्रसाद ने कहा कि महाकुंभ को योगी बाबा ने कलंकित किया है। सपा की सरकार में पूर्ण कुंभ हुआ था। उसकी तारीफ पूरी दुनिया ने की। भाजपा के राज में महाकुंभ का बड़ा प्रचार-प्रसार किया गया। न जाने कितने करोड़ खर्च किए गए, कितनी मौतें हुई हैं, उसका हिसाब-किताब नहीं दे सके।

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताने पर कहा कि यह उनका अपना विचार है। लेकिन, महाकुंभ में मौतें हुई हैं। न जाने कितने लोग अपने परिजनों को ढूंढ रहे हैं, जिसका लेखा-जोखा पूरा देश मांग रहा है। लेकिन, बाबा लीपापोती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के बड़े शंकराचार्य के सामने कुछ नहीं बताया। घटना को अफवाह ही बताते रहे जबकि सैकड़ों लोग मर चुके हैं। हमारे सनातन धर्म में मौत के बाद पानी नहीं पीते और चूल्हा भी नहीं जलता। एक तरफ मौतें हुई हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उसे अफवाह बता रहे थे।

उन्होंने कहा कि वह भी अयोध्या से आ रहे थे तो रास्ता बदलना पड़ा। चारों तरफ जाम है। सपा सांसद ने कहा कि अगर हमारी पार्टी सनातन और धर्म विरोधी होती तो अवधेश प्रसाद अयोध्या (फैजाबाद) से सांसद जीतकर न आते। इससे बड़ा जवाब क्या है। ये लोग ढोंगी हैं।

आजम खां एंड फैमली को मिली एक और बड़ी राहत

» शत्रु संपति से सम्बन्धित एक मामले में अदालत ने जमानत दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान की पत्नी पूर्व विधायक तंजीन फातिमा, बेटे अदीब आजम खान और बहन निकहत अखलाक को शत्रु संपत्ति से सम्बन्धित एक मामले में स्थानीय (सांसद-विधायक) अदालत ने जमानत दे दी है। खान के अधिवक्ता जुबैर अहमद खान ने बताया कि रामपुर की सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खान की पत्नी डॉक्टर तंजीन फातिमा, बड़े बेटे अदीब आजम खान और बहन निकहत अफलाक की जमानत मंजूर कर ली है।

यह आजम खान के परिवार के लिये एक बड़ी राहत है। इस मामले

में आजम के छोटे बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्लाह आजम खान की जमानत भी मंजूर कर ली गयी थी।अधिवक्ता जुबैर के अनुसार 2020 में रिकार्ड रूम में एक शत्रु संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों को खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाया गया था। इस सिलिसले में न्यायालय द्वारा अब्दुल्लाह आजम खान, उनकी मां तज़ीन फातिमा, बड़े भाई अदीब आजम खान और फूफी निकहत अखलाक को तलब किया था। तज़ीन फातिमा, अदीब और निकहत ने आज न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण किया था और न्यायालय ने बहस सुनने के बाद उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया।

अजय राय ने महाकुंभ में लगाई आस्था की डुबकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज महाकुंभ में षस्टमयाम तिथि पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने संगम में डुबकी लगाई। स्नान के बाद मां गंगा की पूजा-अर्चना कर अजय राय ने लोक कल्याण की कामना की एवं समूचे देश की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इसके पहले बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में महाकुंभ में अव्यवस्थाओं के आरोप पर विपक्ष को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को लेकर अफवाह फैलाने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का अपमान कर रहे हैं। अब तक महाकुंभ में 56 करोड़ से भी ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन किसी सरकार का आयोजन नहीं है। यह सनातन संस्कृति का आयोजन है। महाकुंभ पर अफवाह फैलाने वाले और अनर्गल आरोप लगाने वाले सनातन आस्था का अपमान कर रहे हैं।

राष्ट्रगीत के सम्मान में खड़े नहीं होने वाले सदस्यों की होगी जांच

» सपा सदस्य राकेश प्रताप सिंह ने उठाया था मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद राष्ट्रगीत के दौरान विपक्ष के सदस्यों के अपने स्थान पर खड़े नहीं होने की जांच कराई जाएगी। विधानसभा में नियम 300 के तहत सपा सदस्य राकेश प्रताप सिंह ने यह मामला उठाया, जिसके बाद संसदीय कार्य मंत्री ने ऐसे सदस्यों को चिह्नित कर दंडित करने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने इस प्रकरण की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

राकेश प्रताप सिंह ने बुधवार को सदन में जानकारी दी कि मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन दोबारा 12:30 बजे

शुरू हुआ। वह अंदर प्रवेश कर ही रहे थे कि राष्ट्रगीत के सम्मान में वहीं खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो संविधान को हाथ में लेकर घूमते रहते हैं, वह लॉबी में सोफे पर बैठे रहे। उन्होंने सीसीटीवी की जांच कराकर ऐसे सदस्यों को चिह्नित करने की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने इसे दुखद बताते हुए कहा कि संविधान बनाने वालों ने राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान को मान्यता दी है। वहीं सपा सदस्य मनोज कुमार पांडेय ने अवधी और भाजपा सदस्य केतकी सिंह ने भोजपुरी में इस प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि सदन को किसी ने भी बुंदेली भाषा में संबोधित नहीं किया।

जन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा राजस्थान का बजट: बेनीवाल

» भजनलाल सरकार ने आंकड़ों के मायाजाल में जनता को किया गुमराह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में पेश किए गए बजट को लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में जन-सरोकार और जन-भावना का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विगत बजट की अधिकतर घोषणाओं को अभी तक पूरा नहीं किया गया और इस बार फिर से आंकड़ों के मायाजाल में जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया है।

बजट भाषण में वित्त मंत्री ने बाजरे का जिक्र किया, लेकिन सांसद हनुमान बेनीवाल ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राजस्थान में बड़े पैमाने पर उत्पादित होने वाले बाजरे को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत खरीदा ही नहीं जा रहा है। इसके अलावा, पिछले बजट के अनुमान के अनुसार राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य भी पूरा नहीं हुआ। उन्होंने सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन के आरोप लगाते हुए कहा कि यह बजट केवल राज्य को कर्ज के बोझ में लादने का ही काम करेगा।

गुजरात में आप ने मोदी-शाह की निकाली आह

सलाया नपा चुनाव में आप के 8 उम्मीदवारों की बंपर जीत

» नगर की सरकार में भाजपा को दिया झटका

» और कई स्थानों पर मारी बाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। दिल्ली में आप को सत्ता जरूर गंवानी पड़ी है पर उसके हौसले कम नहीं हुए हैं। भाजपा को मात देने के लिए वह अब भी कारगर रणनीति बनाने में जुटी है। इसी क्रम में उसने गुजरात में भाजपा को बहुत बड़ा झटका दे दिया है। इसे झटके से पीएम मोदी व अमित शाह को तकलीफ मिली है।

बता दें एक राज्य में सत्ता तो जरूर गंवाई लेकिन केजरीवाल की पार्टी का कई दूसरे राज्य में खाता खुलना आम आदमी पार्टी के लिए खुशखबरी से कम नहीं है। हालांकि इससे पहले जब आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव लड़ी थी तब कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन नगर की सरकार में आप का खाता खुलना केजरीवाल के लिए किसी शुभ संकेत से कम नहीं है। दिल्ली की सत्ता में 10 साल से काबिज जिस आम आदमी पार्टी को बीजेपी ने उखाड़ फेंका।

द्वारका और जूनागढ़ में चला आप का झाड़ू

देवभूमि द्वारका में आम आदमी पार्टी को जीत की खुशी मिली है। यहां सलाया के वार्ड नं 1 और 2 में आम आदमी पार्टी ने जीत का परचम लहराया है। वहीं जूनागढ़ जिले की मांगरोल नगरपालिका के वार्ड 3 में भी झाड़ू को लोगों ने पसंद किया है। यहां आप के सभी चार प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। वडोदरा जिले में भी आप ने अपनी जमीन मजबूत की है। यहां अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है।

भाजपा ने निर्विरोध 215 सीटें जीतीं

गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदान रविवार, 16 फरवरी को हुआ और भारतीय जनता पार्टी ने 215 सीटें निर्विरोध जीत लीं, जो कुल लड़ी गई सीटों का लगभग 10 प्रतिशत है। भाजपा की कुल निर्विरोध जीत में से 196 सीटें नगर पालिकाओं की, 10 जिला और तालुका पंचायतों की और नौ जूनागढ़ नगर निगम की हैं।

निकाय चुनावों में मतदाता

गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए, जूनागढ़ के लिए 44.32 प्रतिशत, नगर पालिकाओं के लिए 61.65 प्रतिशत और तालुका पंचायत चुनावों के लिए 65.07 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस चुनाव में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण और स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का कार्यान्वयन भी देखा गया।

केजरीवाल एंड टीम ने बदला गेम

केजरीवाल एंड टीम ने उसी बीजेपी के गढ़ में ऐसी पटखनी दी कि पूरा गेम बदल गया। भले ही दिल्ली जैसे राज्या की सत्ता न मिली हो। लेकिन बीजेपी के गढ़ गुजरात में केजरीवाल की ये जीत जख्म पर मरहम का काम जरूर करेगी।

गुजरात के सलाया नगरपालिका चुनाव में आप के 8 उम्मीदवारों ने बंपर जीत हासिल की। जबकि इससे पहले छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने बिलासपुर के बोदरी नगर पालिका पर विजय पताका फहराया था। यानी एक राज्य में सत्ता तो जरूर गंवाई लेकिन केजरीवाल की पार्टी का कई दूसरे राज्य में खाता खुलना आम आदमी पार्टी के लिए खुशखबरी से कम नहीं है। हालांकि इससे पहले जब आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव लड़ी थी तब कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन नगर की सरकार में आप का खाता खुलना केजरीवाल के लिए किसी शुभ संकेत से कम नहीं है।

महाराष्ट्र में फिर बढ़ी सियासी हलचल

» शिंदे व फडणवीस में आपसी मनमुटाव

» भाजपा व शिवसेना ने शीतयुद्ध से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। देश के पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र में सरकार बने तीन महीने से ज्यादा हो चुके हैं पर वहां की राजनीति में एक बार फिर से हलचल हो रही है। जहां एक तरफ एनसीपी बिखर चुकी हैं वहीं दूसरी तरफ भाजपा में भी कुछ चीजें ठीक नहीं चल रही हैं। ऐसा एक अनुमान लगाया जा रहा है क्योंकि कहते हैं ना कि बिना आग के धुआ नहीं उठता। सुनने में आ रहा है कि देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच शीत युद्ध जैसी स्थिति बनीं हुई हैं!

भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गठबंधन (महायुति के नाम से मशहूर) के सरकार बनाने के तीन महीने बाद, कथित तौर पर गठबंधन अपने सदस्यों के बीच आंतरिक कलह का सामना कर रहा है। विपक्ष ने राज्य प्रशासन के भीतर एक समानांतर सरकार संचालित होने का दावा किया है।दावों को खारिज करते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बिल्कुल कोई शीत युद्ध नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, महायुति गठबंधन में तनाव का नवीनतम बिंदु राज्य सरकार द्वारा कई प्रमुख विधायकों के लिए वाई-सिक्योरिटी कवर वापस लेने के बाद शुरू हुआ। सुरक्षा में कटौती देखने वाले अधिकांश नेता शिंदे के खेमे से थे। यह घटनाक्रम भाजपा के देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के बीच टकराव की खबरों के बीच हुआ, जब उन्होंने 2024 के राज्य चुनावों के बाद भूमिकाएँ बदल लीं।

सुरक्षा को लेकर मची है रार

हाल ही में, विशेष सुरक्षा इकाई (एसपीयू) ने प्रमुख राजनीतिक नेताओं, मंत्रियों और विधायकों की वाई-सुरक्षा कवर को उनके खतरे की धारणा की समीक्षा के बाद घटा दिया। इस सूची में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके दो उप-मुख्यमंत्री को छोड़कर सभी कैबिनेट सदस्य और राज्य मंत्री शामिल हैं। 2022 में, शिवसेना के बागी विधायक जो शिंदे के खेमे में शामिल हो गए थे, उन्हें खतरे के कारण बढ़ी हुई सुरक्षा प्रदान की गई थी। मुख्यमंत्री के रूप में एकनाथ शिंदे के कार्यकाल के दौरान, महाराष्ट्र सरकार ने 44 राज्य विधायकों और 11 लोकसभा सांसदों को वाई-सुरक्षा कवर प्रदान किया, जिन्होंने 2022 में उद्धव ठाकरे के खिलाफ उनके विद्रोह का समर्थन किया था।

भाजपा के मनसे के साथ संभावित गठबंधन की अटकलें

इस महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात की थी। स्थानीय निकाय चुनावों से पहले हुई इस मुलाकात से भाजपा और मनसे के बीच गठबंधन की चर्चा तेज हो गई है।

संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति पर बवाल

गठबंधन सहयोगियों के बीच एक और ज्वलंत मुद्दा संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति के अनसुलझे मुद्दे को लेकर सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, फडणवीस ने रायगढ़ और नासिक जिलों के लिए शिवसेना नेताओं को संरक्षक मंत्री पद आवंटित करने से इनकार कर दिया। एनसीपी की अदिति तटकरे और भाजपा के गिरीश महाजन को रायगढ़ और नासिक का संरक्षक मंत्री बनाए जाने के बाद शिंदे कथित तौर पर फडणवीस से नाखुश हैं।

शिंदे ने कुंभ पर फडणवीस की बैठक को छोड़ दिया

फडणवीस और शिंदे के बीच दरार की अटकलें तब और स्पष्ट हो गईं जब शिंदे ने फडणवीस की अध्यक्षता में कुंभ मेले पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक को छोड़ दिया। इसके बजाय, शिवसेना नेता ने इस सप्ताह अपनी समानांतर बैठक आयोजित की। इसे फडणवीस के अधिकार को सीधी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार के काम से बढ़ेगी अराजकता : राउत

दरार की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा, अगर सरकार इसी तरह से काम करती रही, तो राजनीतिक अराजकता और बढ़ेगी। हालांकि शिंदे ने कहा है कि हमारे बीच बिल्कुल कोई शीत युद्ध नहीं है। उन्होंने मीडिया से कहा,विकास का विरोध करने वालों के खिलाफ़ हमारी लड़ाई में हम एकजुट हैं।

विरोधियों के साथ गलबहियां पर भी सवाल

दोनों गठबंधन सहयोगियों के बीच विवाद का एक और कारण फडणवीस की शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक थी उन्होंने पिछले ढाई महीनों में एक बार उद्धव ठाकरे और दो बार आदित्य ठाकरे से मुलाकात की। रिपोर्ट के अनुसार, एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने और उनकी प्रशंसा करने से न केवल शिवसेना (यूबीटी) नाराज है, जिसने इसे विश्वासघाती का सम्मान करने जैसा बताया, बल्कि सत्तारूढ़ भाजपा भी नाराज है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महिलाओं पर भेदभावपूर्ण भाषा के इस्तेमाल पर लगे रोक

भारत की अदालतें समय-समय पर महिला हितों की रक्षा के लिए कदम उठाती रहती हैं। महिलाओं के प्रति भेदभाव वाली भाषा के इस्तेमाल को लेकर अदालत ने कहा है तलाकशुदा महिलाओं को उनके नाम से पहचाना जाना चाहिए, न कि उनकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर। अदालत ने एक फैसले में कहा है कि भविष्य में किसी याचिका या अपील में महिला को 'डाइवोर्सी' कहकर संबोधित किया गया तो वह याचिका खारिज कर दी जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब किसी अदालत ने महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण भाषा के इस्तेमाल पर चिंता जताई है। वर्ष 2023 में, तत्कालीन चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट की तरफ से एक 'हैंडबुक' जारी की थी, जिसमें विभिन्न अदालती प्रकरणों में महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले अपमानजनक संबोधनों का जिक्र करते हुए इनसे बचने को कहा गया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि 'अपराधी, चाहे वह पुरुष हो या महिला, केवल मनुष्य है, इसलिए हम महिलाओं के लिए व्यभिचारी, वेश्या, बदचलन, धोखेबाज, आवारा जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

' समय-समय पर जारी अदालतों के निर्देशों के बावजूद एक चिंताजनक तथ्य यह भी है कि सरकारी कामकाज में ही लिंगभेद व अपमानजनक संबोधनों वाली भाषा का इस्तेमाल खूब हो रहा है। बता दें महिलाओं के खिलाफ हिंसा की बात जब भी होती है, उन्हें मौखिक या लिखित रूप से संबोधित करने वाली भाषा की अनदेखी की जाती रही है। ये संबोधन ऐसे हैं जो स्वीकृत परिपाटी के जरिए पारम्परिक रूप से चले आ रहे हैं। लेकिन जब महिलाओं को इन शब्दों से संबोधित किया जाता है तो वे सिर पर किसी हथौड़े से कम नहीं पड़ते। ऐसे ही संबोधनों पर संज्ञान लेते हुए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने तलाकशुदा महिलाओं को 'डाइवोर्सी' कहकर संबोधित करने पर यह कहते हुए रोक लगा दी है कि किसी महिला को सिर्फ तलाकशुदा होने के आधार पर 'डाइवोर्सी' की पहचान देना सर्वथा अनुचित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जाति व धर्म से परे रहने की बातें तो जरूर होती हैं, लेकिन किसी भी महिला-पुरुष से पहचान के सरकारी दस्तावेज बनाने तक में जाति-धर्म की पहचान पर सवाल लंबे समय से हो रहे हैं। सरकारों व अदालतों ने जिस शब्दावली की मनाही की है, उनकी भी पालना हो रही है अथवा नहीं, इसे देखने तक की व्यवस्था नहीं है। सच तो यही है कि महिला हो अथवा पुरुष, उसकी पहचान व्यक्तित्व व उपलब्धियों से होनी चाहिए न कि उसकी वैवाहिक स्थिति से। कोर्ट का यह फैसला महिलाओं के प्रति समाज के नजरिए को बदलने की दिशा में अहम कदम कहा जाएगा, जिससे अदालती प्रक्रियाओं में भी बदलाव आएगा। देखना ये भी होगा कहीं अदालतों के फैसले से गलत संदेश भी न जाए। समाज को और जिम्मेदारी से हर बात को देखना होगा।

अदालत ने एक फैसले में कहा है कि भविष्य में किसी याचिका या अपील में महिला को 'डाइवोर्सी' कहकर संबोधित किया गया तो वह याचिका खारिज कर दी जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब किसी अदालत ने महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण भाषा के इस्तेमाल पर चिंता जताई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

साप्ताहिक पैठ भी जरूरी है समाज के लिए

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में इन दिनों सत्ताधारी विधायक की अगुआई में बड़ा आंदोलन चल रहा है। हुआ यूं कि जिले के अलग-अलग इलाकों में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार या पैठ पर नगर निगम ने रोक लगा दी। इसमें से एक स्थान भारतीय सेना का है जो इसे खाली चाहता है, जबकि बाकी बाजार व्यस्ततम सड़कों पर लगते थे। गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश के सबसे ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले गाजियाबाद की सड़कों पर हर समय जाम रहता है। चर्चा यह भी है कि कई महंगे बाजारों के व्यापारी इन पैठ से खुद का नुकसान महसूस करते हैं। इन बाजारों से करीब दो लाख लोगों की रोजी-रोटी जुड़ी है और 90 प्रतिशत दुकानदार देवबंद, सहारनपुर, बिजनौर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, दिल्ली व सीलमपुर आदि क्षेत्रों से आते हैं। जिन इलाकों में बाजार भरता है वहां के बाशिंदों की शिकायत है कि पैठ वाले दिन वे अपने घरों में बंधक बन जाते हैं।

अकेले गाजियाबाद ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों से इन बाजारों को बंद करने की मांग उठती रहती है। कारण लगभग एक जैसे होते हैं – बाजार के कारण यातायात ठप्प हो जाता है तथा लोग अपने घरों में बंधक हो जाते हैं, यहां गिरहकटी होती है, या फिर इनसे गंदगी फैलती है। हालांकि असलियत दूसरी होती है। ऐसे बाजारों को बंद करने के पीछे स्थानीय व्यापारियों के कारण अलग होते हैं, जैसे कि बाजार से कम कीमत पर सामान मिलने के चलते हर सप्ताह घर का सामान खरीदने वाले लोग उनकी दुकानों पर न जाकर हाट बाजार का इंतजार करते हैं। इनमें मिलने वाली सस्ती चीजों और मोलभाव की आदत के कारण ग्राहक अक्सर उनकी दुकान पर भी दाम करने या एमआरपी जैसे मसलों पर बहस करते हैं। हाट बाजार केवल विनिमय का स्थान ही नहीं होता। मसलन, बस्तर तभी चर्चा में आता है जब वहां कुछ खून-खराबा होता है लेकिन बस्तर के पास और भी बहुत कुछ है। उसमें सबसे महत्वपूर्ण है अपनी परंपराओं, जीवनशैली और सभ्यता को सहेज कर रखने की जीवट और कला।

बस्तर के जंगलों में आदिवासियों के छोटे-छोटे लगभग साढ़े तीन हजार गांव हैं। पांच-छह गांवों के मध्य एक हाट होता है, जहां लोग जरूरत की वस्तुएं खरीद-बेच सकते हैं। यहां लगने वाले हाटों में लोकल संस्कृति, खान पान और रहन-सहन के तौर तरीकों को जानने का मौका मिलता है। इन बाजारों

में रोजमर्रा की चीजें, कपड़े, स्थानीय आभूषण, चींटी की चटनी, सल्फी और पारंपरिक मुर्गा लड़ाई देख सकते हैं। झारखंड में भी ऐसे बाजार खासे लोकप्रिय हैं। यह हाट बाजार उनके मनोरंजन का साधन होता है, बाहरी दुनिया को देखने का माध्यम और अपनी संस्कृति के संरक्षण का मैदान भी। बस्तर के आदिवासियों का जीवन अभी कुछ दशक पहले तक पूरी तरह जंगलों पर ही निर्भर था, महुआ, इमली, बोंडा, चिरोंजी की गुठली जैसे उत्पाद लेकर वे साप्ताहिक बाजार में जाते, वहां से नमक जैसी जरूरी चीजें उसके बदले में ले लेते। दिल्ली राजधानी क्षेत्र की हर कालोनी में ऐसे साप्ताहिक बाजार आज भी लोगों की जीवन रेखा बने हैं। कहां बस्तर के घने जंगल के बीच का बाजार और कहां दिल्ली में अट्टालिकाओं में वातानुकूलित मॉल के ठीक सामने लगने वाले बाजार में कंधे छीलती भीड़। स्थान भले ही अलग हो, लेकिन बेचने-खरीदने वाले का अर्थशास्त्र और मनोवृत्ति एक ही है। दिल्ली के डीडीए फ्लैट कालकाजी के साप्ताहिक बाजार हो या फिर वसंत विहार का बुध बाजार या करोलबाग व विकासपुरी में मंगल बाजार या फिर सुदूर भोपाल या बीकानेर या सहरसा के साप्ताहिक हाट, ये सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण होते हैं। दैनिक मजदूरी करने वाला हो, अफसर की बीवी हो या दुकानदार, सभी आपको यहां मिल जाएंगे। ये बाजार रोजगार की तलाश में अपने घर-गांव से पलायन कर आए निम्न आय वर्ग के लोगों की जीवनरेखा होते हैं। आम बाजार से सस्ता सामान, चर्चित ब्रांड से मिलता-जुलता, छोटे पैकेट, घर के पास देर रात तक सजा बाजार।

स्थानीय निकाय इन पैठ वालों से नियमित वसूली करते हैं लेकिन यहां शौचालय, स्वास्थ्य, सुरक्षा जैसी कोई सुविधा नहीं होती। हाट बाजार के पीछे केवल वे ही नहीं होते जो अपना सामान बेचते हैं, और भी कई लोगों की रोजी रोटी इनसे चलती है। बाजार लगाने की जिम्मेदारी नगर निगम से लेकर पंचायत तक की होती है। पैठ का टैक्स वसूला जाता है। कई जगह निकाय इसे ठेके पर देते हैं व कारिंदे दुकानदारों से एक शाम की वसूली करते हैं। फट्टे या टेबल, तिरपाल, और बैटरी वाली लाईट सप्लाई वालों का बड़ा वर्ग हाट बाजार पर निर्भर होता है। कई लोग ढुलाई वाहन मुहैया कराते हैं। इसके अलावा इन बाजार के जरिये पैसा ऐसी जेबों तक भी घूमता है जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं होता।

भूकंप की आशंकाओं संग जीने का तरीका तलाशें

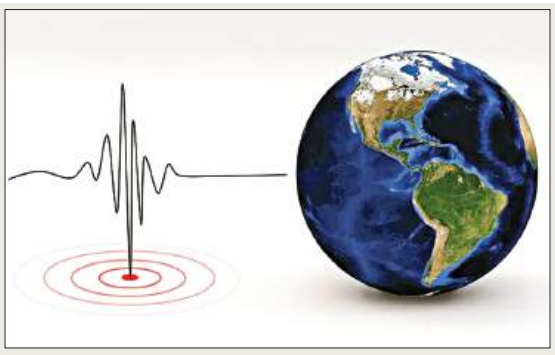

डॉ. संजय वर्मा

भूकंप की चर्चा अक्सर तब होती है, जब वह किसी इलाके में आ जाता है। इसकी पुनरावृत्ति और इससे बचाव की तैयारियों की चर्चाएं कुछ दिन तक चलने के बाद खामोश हो जाती हैं। दुनिया अपनी पहली सी चाल में व्यस्त हो जाती है और भूकंप अदालत में चल रहे किसी मामले की तरह एक अगली तारीख के लिए मुल्तवी हो जाता है। जैसे, सोमवार की सुबह देश का राजधानी दिल्ली परिक्षेत्र एक जलजले की आहट से चौंक उठा। रिक्टर स्केल पर चार की तीव्रता वाला भूकंप दहलाकर चला गया, लेकिन महीना भर पहले ही पड़ोस में तिब्बत के भूकंप ने एक बड़ी चेतावनी हमें दी थी। हिमालय और इससे सटे हुए इलाकों में भूकंप का आना एक बड़ी चेतावनी माना जाता है, पर हफ्ता बीतते-बीतते भूकंप की खबर और चिंता हवा हो जाती हैं। शायद यही वजह है कि कुछ ही समय पहले भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150 साल पूरे होने और मिशन मौसम की शुरुआत के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों से भूकंप का सटीक पूर्वानुमान लगाने और चेतावनी देने वाली प्रणाली विकसित करने का आह्वान किया था।

उद्देश्य है कि पूर्वानुमानों से भूकंप की त्रासदी को सीमित किया जा सके। यह सुखद है कि तमाम दावों के बावजूद मोटे तौर पर 2015 के बाद से उत्तर भारत में कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है। हालांकि, बार-बार चेताया गया है कि पर्वतीय राज्यों- खास तौर से उत्तराखंड से लेकर हमारे देश की राजधानी दिल्ली-एनसीआर की जमीन के भीतर बहुत अधिक खिंचाव की स्थिति बन गई है और यहां कभी भी ज्यादा ताकत वाला भूकंप आ सकता है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने चेताया है कि हिमालय क्षेत्र में एक बड़ा भूकंप कभी भी आ सकता है। इसलिए जान-माल का नुकसान न्यूनतम करने के लिए पहले से बेहतर तैयारी जरूरी है।

वहीं इस चेतावनी का समर्थन कुछ मौकों पर आईआईटी कानपुर के पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रोफेसरों ने भी किया है। इन वैज्ञानिकों ने कहा है कि धरती के नीचे भारतीय प्लेट व यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव बढ़ रहा है। इससे वहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा जमा हो गई है और वह कभी भी बड़े विस्फोट के साथ बाहर निकल सकती है। जो बड़े भूकंप का कारण बनेगी। वाडिया इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने हिंदुकुश पर्वत से पूर्वोत्तर भारत तक के हिमालयी क्षेत्र को भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील बताते हुए कहा है कि खतरों से निपटने के लिए संबंधित राज्यों में कारगर नीतियां नहीं हैं। निस्संदेह, धरती के अंदर चल रही भूगर्भीय हलचलों के कारण ज्वालामुखी विस्फोटों से लेकर भूकंपों तक का खतरा लगातार बना हुआ है। हाल यह है कि धरती पर करीब 10 करोड़ भूकंप हर साल आते हैं, लेकिन उनमें से नुकसान पहुंचाने वाले भूकंपों की संख्या बेहद कम है। दशकों से भूगर्भ वैज्ञानिक लगातार कह रहे हैं कि भले ही बड़े भूकंप की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई जा सकती। लेकिन सवाल उठता है कि क्या भूकंपों की पूर्व सूचना देने का तंत्र विकसित नहीं हो सकता। निस्संदेह, वैज्ञानिक तरक्की के बावजूद इंसान आज भी धरती के अंदर की हलचलें पहले से पढ़ पाने में नाकाम ही है।

चार साल पहले ऐसी एक पहल उत्तराखंड में की गई थी। वहां साल 2021 में आपदा प्रबंधन विभाग और आईआईटी रुड़की ने मिलकर उत्तराखंड भूकंप अलर्ट ऐप तैयार किया था। दावा किया गया था कि भूकंप की पूर्व सूचना देने वाले एप को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य है। कहा गया कि जिन लोगों के पास सामान्य स्मार्टफोन नहीं हैं, उन्हें भी उनके फीचर फोन पर भूकंप की पूर्व चेतावनी मिल सकेगी। लोग समय रहते उससे बचाव का प्रबंध कर सकेंगे। यह देखते हुए कि पिछले 10-15 वर्षों में उत्तराखंड भूकंप के करीब 700 झटके झेल चुका है, इस ऐप को एक बड़ी उम्मीद माना गया था। लेकिन हकीकत में इस ऐप से उत्तराखंड निवासियों को कोई मदद नहीं मिल सकी। दरअसल, हिमालय क्षेत्र की जो भौगोलिक स्थिति है और वहां धरती के भीतर जिस तरह की हलचल मची हुई है, उसमें भूकंप आने का खतरा हमेशा बना रहता है। निस्संदेह, भारत में अभी भूकंप की चेतावनी का कोई विश्वसनीय सिस्टम बना नहीं है और हमारी सरकार तक यह कह चुकी है कि दुनिया में ही इसका कोई कारगर सिस्टम नहीं है। निश्चय ही कोई भी देश, संगठन या वैज्ञानिक अभी दावे के साथ यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि वे भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट और सुनामी का एकदम सही पूर्वानुमान पेश कर सकते हैं। इस चिंता ने लोगों को और ज्यादा सतर्कता बरतने को विवश कर रखा है।

एक घटना इटली में भूकंप के पूर्वानुमान से जुड़ी है जिसने दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय को ही बेचैन कर दिया था। असल में डेढ़ दशक पहले (वर्ष 2011 में) वहां छह साइंटिस्टों और एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ इसलिए हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था क्योंकि वे छह अप्रैल, 2009 को इटली के ला-अकिला में आए भूकंप की सही भविष्यवाणी करने में नाकाम रहे थे। ये सभी इटली में प्राकृतिक आपदाओं के खतरे पर नजर रखने वाली समिति के सदस्य थे। इन्हें ला-अकिला में भूकंप से ठीक एक दिन पहले यह जांच करने बुलाया गया था कि क्या वहां बड़े भूकंप का कोई खतरा तो नहीं है। उस इलाके में निकल रही रेडॉन गैस की मात्रा के आधार पर इन साइंटिस्टों ने आश्वस्त किया था कि फिलहाल खतरा ऐसा नहीं है कि पूरे इलाके को खाली कराया जाए।

नॉलेज बेस्ड गेम्स खेलें

आजकल इंटरनेट पर कई नॉलेज बेस्ड गेम्स भी मौजूद हैं। आप मोबाइल या टैब पर बच्चों को उस तरह के गेम्स खेलने को कहें या फिर आप भी उनका इसमें साथ दें। मगर कुछ गेम्स खेलने से बच्चों की मेंटल ग्रोथ में भी तेजी आने लगती है। जिसके चलते खेल-खेल में बच्चों की पढ़ाई के प्रति दिलचस्पी भी आसानी से बढ़ाई जा सकती है। बच्चों के लिए कुछ बेस्ट गेम्स हैं जिनकी मदद से आप बच्चों को स्टडीज में भी परफेक्ट बना सकते हैं।

क्विज शो देखना और उनमें भाग लेना

आजकल कल के बच्चों को पेरेंट्स आसानी से मोबाइल हाथ में दे देते हैं, लेकिन आप इस वक्त का उपयोग और अच्छे तरीके से कर सकते हैं। बच्चों के साथ टीवी और इंटरनेट पर क्विज शो देखें। इससे उनकी नॉलजे बढ़ेगी। साथ ही, आप बच्चों को नॉलेज बेस्ड चैनल्स देखने के लिए कहें, जिससे उनकी पसंद इस ओर अपने आप बढ़ने लगे। इन दिनों किसी भी परीक्षा में प्रतियोगिता का स्तर काफी बढ़ गया है। बात चाहे कॉलेज में एडमिशन लेने की हो या सरकारी नौकरी, इनके लिए होने वाली परीक्षा में लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग स्तरों पर परखने के लिए एग्जाम पैटर्न में भी कई तरह के बदलाव किए जाते हैं।

कम उम्र में ही ऐसे बढ़ाएं बच्चों का नॉलेज

हेल्दी डिस्कशन

बच्चों को घर में किसी भी हेल्दी डिस्कशन का हिस्सा बनाएं और उनके विचार जानने की कोशिश करें। जब पूरी फैमिली एक साथ बैठी हो तो, किसी भी चर्चा में बच्चों का नजरिया जानना और उनकी बात सुनने से बच्चे में पॉजिटिविटी आएगी और उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

एक माता-पिता के तौर पर अपने बच्चे को सही परवरिश देना काफी मुश्किल भरा कार्य होता है। तकनीक के इस दौर में बच्चों को गलत चीजों से बचाकर सही चीजों की तरफ ले जाना भी कठिन होता है। ऐसे मे जरूरी है कि आप बचपन से ही उनके दिमाग में सही नॉलेज भरे ताकि भविष्य में वह आसानी से सही और गलत की पहचान कर सकें। वैसे देखा जाए तो बचपन से ही बच्चे कुछ न कुछ नया सीखते रहते हैं। हर उम्र के पढ़ाव के साथ उनके जीवन में नए दौर आते हैं और नई चीजों को सीखने की होड़ उनमें बढ़ती जाती है। स्कूल में एक्टिव रहने से बच्चों को आगे बढ़ने का मौका काफी जल्दी मिलता है। आज कल के कॉम्पटीशन के दौर उनपर हर तरह से प्रेशर रहता है। ऐसे में माता-पिता के लिए भी बच्चों की जनरल नॉलेज को बढ़ाने का एक चुनौतीपूर्ण काम रहता है। बच्चे में जानकारी की कमी उसे कई तरह से पीछे कर देती है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि माता-पिता बच्चे की नॉलेज स्किल्स पर बचपन से ही ध्यान दें।

पढ़ने की आदत

बच्चों को बचपन से ही मैग्जीन, अखबार, जनरल नॉलेज की बुक्स और नई बुक्स पढ़ने की आदत डालना बहुत जरूरी है। अन्य नवीन सामग्री पढ़ना बच्चों के बीच सामान्य ज्ञान बढ़ाने का एक और बेहतरीन तरीका है। हम मान सकते हैं कि आजकल के मोबाइल के दौर में बच्चों को न्यूजपेपर पढ़ाने की आदत डालना आसान तो नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं। पढ़ने को मजेदार और मनोरंजक बनाने की प्रमुख सामग्रियों में से एक है बच्चों को किताबों की विभिन्न शैलियों और प्रारूपों तक पहुंच प्रदान करना ताकि वे खोज सकें और उनमें से चुन सकें। बच्चों को विभिन्न प्रारूपों और शैलियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे न केवल एकरसता दूर होगी बल्कि बच्चे को उस शैली/प्रारूप को सीखने में भी मदद मिलेगी।

हंसना मना है

एलकेजी के बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता- यह क्या है? बच्चा - पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की-क्या? लड़का- मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की- डरा दिया साले, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति- अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी (गुस्से में)- मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति- फिर रोने दे, मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

शादीशुदा महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में एक सुन्दर सी लड़की एक लड़के के पास गई, लड़की- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का- हां हां क्यों नहीं, क्या चीज़ हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

कहानी | भूतिया सड़क

सालों पहले मनकपुर गांव के लोगों को व्यापार करने के लिए अक्सर शहर जाना पड़ता था। मनकपुर को शहर से जोड़ने वाली सिर्फ एक ही सड़क थी, जिसके दोनों ओर खूब घना जंगल था। घने जंगल से शहर जाते वक्त गांव वालों को डर भी काफी लगता था, इसलिए कोई भी अकेले शहर की ओर नहीं जाता था। हर किसी को उस डरावनी रोड में होने वाली दुर्घटनाओं से डर लगता था। चाहे दिन का समय हो या रात, वहां बैलगाड़ी से माल ले जा रहे व्यापारी दुर्घटना की चपेट में आ जाते थे। मालगाड़ियों की अक्सर टक्कर छोटे वाहन से हो जाती थी और दोनों ही मौके पर खत्म हो जाते थे। इन सबके पीछे की वजह गांव वाले भूत को ही मानते थे। बढ़ती दुर्घनाओं के कारण गांव से शहर को जोड़ने वाली सड़क से लोगों ने आना-जाना कम कर दिया, जिसका सीधा असर व्यापार पर पड़ने लगा। अब गांव वालों को दूसरी सड़क बनने का इंतजार था, जो शहर को मनकपुर से जोड़ दे। गांव से कूछ दूरी पर नई सड़क का काम शुरू हो चुका था और देखते-ही-देखते कुछ महीनों में दूसरी सड़क बनकर तैयार हो गई। खुशी के मारे गांव वालों ने उस भूतिया सड़क को बंद करने का फैसला लिया। उस रास्ते पर लोगों ने मिलकर पत्थर व पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया और सावधानी के लिए दुर्घटना व भूतों से जुड़ी एक सूचना पट्टी भी लगा दी। अब लोगों ने नई सड़क से आना-जाना शुरू किया। अब वहां किसी तरह की दुर्घटना की आशंका नहीं थी। उधर भूतिया सड़क बंद करने से गांव के लोगों की मौत का सिलसिला थमा और वहां खुशहाली आ गई।

कहानी से सीख : दुख-दर्द और गम हमेशा के लिए नहीं होते हैं। गम के बादल के बाद खुशी का सूरज जरूर खिलता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है।

वृषभ

राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क

शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

सिंह

रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

कन्या

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा।

तुला

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी।

धनु

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा।

मकर

योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। कार्यसिद्धि होगी।

कुम्भ

राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मीन

फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे पैरेंट्स ने मुझे हमेशा जमीन से जोड़कर रखा : सोहा अली खान

सोहा अली खान ने अपने माता-पिता और उनसे मिली परवरिश को लेकर बात की है। सोहा ने बताया कि वे भले ही बहुत पैसे वाले थे, लेकिन उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें जमीन से जुड़ा रखा। सोहा ने कहा कि उनके पिता मंसूर अली खान पटौदी हमेशा ऐसे दिखाते थे, जैसे परिवार में आर्थिक रूप से कुछ परेशानी चल रही है। वे हमेशा पेट्रोल और बिजली के दामों को लेकर सोचते रहते थे। एक पाडकास्ट से बात करते हुए सोहा अली खान ने कहा, उनका बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके माता-पिता ने ये सुनिश्चित किया कि हम सभी भाई-बहन पैसों की कीमत को समझें। वे हमेशा लाइट बंद करने का ध्यान रखते थे। सोहा अली खान ने बताया कि उनके घर में एक ही टेलीफोन था। सोहा ने बातचीत में बताया कि उस एक फोन से बात करना भी मुश्किल होता था। अक्सर बहन सबा फोन लेकर एक कमरे में बैठ जाती थीं। उन्होंने कहा कि पापा दिनभर फोन के पास बैठे रहते थे। रात में वे फोन पर ताला लगा देते थे, इससे हम किसी को फोन नहीं लगा सकते थे। सोहा अली खान ने बताया कि उन्हें हर साल 50 रुपये मिलते थे। सोहा ने कहा कि उनके पिता ने उनसे कहा कि अभी 500 रुपये ले लो या हर साल 50 रुपये लेना। इस तरह सोहा ने अपने पिता से रुपयों की बचत करना सीखा। उनकी मां शर्मिला टैगोर नियमित रूप से खर्चों पर नजर रखने और परिवार के बजट को नियंत्रित रखने के लिए रसोइए के साथ भी बैठती थीं। सोहा ने कहा कि वे बचपन से बहुत लाड़ प्यार में पली लेकिन हमेशा उन्हें जमीन से जोड़कर रखा गया। सोहा ने कहा, हम सभी दिल्ली में सेना भवन के सामने घर में रहती थीं। उनका बचपन बहुत ही शानदार बीता, सोहा ने कहा कि जब हमारा घर हमसे छिन गया, तब हमें पता चला कि हम कितनी लग्जरी लाइफ जी रहे थे।

छावा फिल्म पर लोगों की आ रही प्रतिक्रियाओं और महाकुंभ की घटनाओं से

नाराज हुई स्वरा भास्कर

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' इस समय सिनेमाघरों में छाई हुई है। इसे लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की है, जिसमें वह 'छावा' फिल्म पर दर्शकों की आ रही प्रतिक्रियाओं को लेकर टिप्पणी करते हुए उसे महाकुंभ में हुई घटना से जोड़ते हुए कटाक्ष किया है। आइए जानते हैं कि स्वरा भास्कर ने ऐसा क्या कहा दिमाग और आत्मा से मरा हुआ समाज..

हाल ही में अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में वह 'छावा' फिल्म को लेकर आ रही प्रतिक्रियाओं पर लिखती हैं कि लोग 500 साल पहले हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को काल्पनिक फिल्मों के जरिए दिखाए जाने पर क्रोधित हो रहे हैं। उन्हें महाकुंभ में खराब प्रबंधन की वजह से भगदड़ में हुई मौतों पर कोई क्रोध नहीं आ रहा है। वहां के शवों को बुलडोजर से हटाया गया। ये समाज दिमाग और आत्मा से मरा हुआ है।

फिल्म को लेकर आ रही कई प्रतिक्रियाएं..

छावा फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन की वीरता को दिखाया गया है। फिल्म का अंतिम सीन लोगों को भावुक कर दे रहा है। इसकी तस्वीरें और वीडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें महाराज पर हुए अत्याचार सीन को देखकर लोग भावुक और क्रोधित हो रहे हैं। इसी को लेकर स्वरा भास्कर ने एक्स पर लिखा है, जिसपर कुछ यूजर समर्थन कर रहे हैं, तो वहीं अन्य इसका विरोध भी कर रहे हैं।

महाकुंभ की किस घटना का किया जिक्र

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ की लेकर हुई घटना का जिक्र करती हैं। 29 जनवरी मौनी आमावस्या के दिन भगदड़ की घटना सामने आई थी, जिसमें प्रशासन ने कई मौत होने का आंकड़ा भी बताया था। इसी घटना को छावा से जोड़ते हए स्वरा लिखती हैं।

शूटिंग के दौरान घायल हुए वरुण धवन

वरुण धवन फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। उन्होंने अपनी चोट की फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर की है। अभिनेता ने अपनी चोट की तस्वीर शेयर की है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की इस फोटो में वरुण धवन की उंगली में गहरा कट दिखाई दे रहा है। बॉर्डर 2 की शूटिंग के लिए वे इन दिनों झांसी में शूटिंग कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर फिल्म की शुरुआत की जो तस्वीर शेयर की गई है, उसमें निर्देशक अनुराग सिंह, निर्माता भूषण कुमार, निधि दत्ता और सह-निर्माता शिव चनाना और बिनॉय गांधी भी देओल के साथ पोज देते नजर आए। सनी देओल का किरदार बॉर्डर 2 में कैसा रहेगा फिलहाल ये तय नहीं है। फिल्म के लिए सनी देओल और वरुण धवन ने शूटिंग शुरू कर दी। दिलजीत दोसांझ ने अभी तक फिल्म की शूटिंग शूरू नहीं की है, वे जल्द ही टीम ज्वाइन करने वाले हैं। बॉर्डर 2 वीरता और साहस की कहानी है। पहली फिल्म की तरह ही दूसरी फिल्म को भी भव्य बनाने की कोशिश निर्माता कर रहे हैं।

अजब-गजब | अमेरिका : नौकरशाही से तंग आकर कराया अजीबो-गरीब निर्माण

नौकरशाही से तंग आकर बनाया गया था ये 40 फुट ऊंचा फाइलिंग कैबिनेट, दूर से इसे देखने आते हैं लोग

दुनिया में कई तरह के अजीब चीजे हैं। कुछ आकार की वजह से अजीब हैं तो कुछ अच्छी कलाकृति होने क बावजूद केवल अनोखी जगह पर होने की वजह से अजीब और मशहूर हैं। ऐसी ही एक संरचना अमेरिका के शहर वर्मौंट में है। यहां एक सड़क पर खंबे की तरह एक कैबिनेट खड़ा है। जी हां, वहीं अलमारी जैसी चीज जिसमें कागजात रखने के लिए बहुत सारे दराज होते हैं हैरानी की बात ये है कि इंसान की ऊंचाई अधिकतम 6-7 फुट होने के बाद भी यह कैबिनट पूरे 40 फुट ऊंचा है। लेकिन आज ये खासा मशहूर हो गया है जिसे देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं।

अमेरिका के बर्लिंगटन के वर्मौंट शहर में यह केबिनेट कोई प्रतीकात्मक इमारत ये मीनार नहीं है। बल्कि अच्छा खासा उपयोग में लाया जा सकने वाला कैबिनेट है। इसमे कुल 38 कैबिनेट हैं। इसे साल 2002 में स्थानीय कलाकार ब्रेन अल्वारेज ने बनाया था। हैरानी की बात ये है कि इसके 38 दराज उतने साल हैं जितने समय में अल्वराज में एक स्थानी प्रोजेक्ट पर काम

करते हुए केवल पेपरवर्क ही जमा किए थे। यह सब कुछ एक बिल्डिंग साउदर्न कनेक्टर से संबंधित है। 1965 में इस इमारत को बनाने का प्रस्ताव किया गया था। और यह कैबिनेट इसी इमारत के निर्माण की परियोजना में देरी का संकेत हैं। इस केबिनेट को एक बड़ी सी छड़ पर कैबिनेट के दराजों की वेल्डिंग कर बनाया गया था।

दिलचस्प बात ये है कि 2020 में इस कैबिनेट के आसपास काफी निर्माण कार्य हो गया था। इसी लिए इसे अपने स्थान से सौ फुट दूर बर्लिंगटन के फ्लाइन एवेन्यू 208 पर 10 फुट के नए चबूतरे, पर पहुंचा दिया गया। आज यह दुनिया का सबसे लंबे फाइलिंग कैबिनेट के तौर पर जाना जाता है। और यह अच्छा खास आकर्षण भी बन गया है।

इसका निर्माण नौकरशाही से तंग कर आकर किया गया था जिसकी वजह से एक इमारत का निर्माण सालों तक टलता चला गया था। एक मजेदार बात ये है कि इसमें वैसे तो कुल 38 कैबिनेट हैं, लेकिन सभी एक जैसे आकार के नहीं हैं। बल्कि इसमें सभी दराज केवल 11 अलग अलग आकार के हैं।

संस्कृत के मूल शब्द चपति से बना 'शैम्पू' सबसे पहले इंडिया में ही हुआ इसका प्रयोग

बालों को साफ करने के लिए आजकल हर कोई शैंपू का इस्तेमाल करता है। शहरों से लेकर गांवों तक और देश से लेकर विदेश तक लोगों के बाथरूम शैंपू जरूर होता है। क्या आपने कभी सोचा है कि जो शैंपू सबके घरों में पाया जाता है, उसे आखिर हिंदी में क्या कहते हैं और ये शब्द आया किस भाषा से है?

दरअसल जिस शैंपू को लोग विदेशों से भारत में आया हुआ मानते हैं, वो गलत हैं क्योंकि शैंपू की खोज और प्रचलन सबसे पहले अपने ही देश में हुआ। भारत के एक विशेष समुदाय ने शैंपू का इस्तेमाल सबसे पहले किया था। ऐतिहासिक तथ्य बताते हैं कि औपनिवेशिक युग के दौरान शैंपू शब्द भारतीय उपमहाद्वीप से इंग्लिश भाषा में गया। सबसे पहले 1962 में इस शब्द का उपयोग हुआ। अब मुद्दा ये है कि ये शब्द किस भाषा से आया- तो ये शब्द संस्कृत के मूल शब्द चपति से लिया गया। इसका अर्थ है शांत करना। इसे हिंदी में चांपो या चम्पी कहा गया। जो आगे चलकर अंग्रेजी में शैम्पू बन गया। भारत में अलग-अलग तरह की जड़ी-बूटियों को मिलाकर शैम्पू के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। रीठा के जरिये इसमें झाग लाया जाता था। शिकाकाई, गुड़हल फूल और अराप्पू भी इसमें मिलता था।

भारत में आकर ही औपनिवेशिक व्यापारियों ने यहां नहाने के दौरान शरीर और बालों की मालिश यानि चम्पू या चम्पी की आदत सीखी। यूरोप जाकर उन्होंने इसे प्रस्तुत किया। वे इसे शैंपू करते थे, जो बाद में एक उत्पाद के रूप में मशहूर हो गया। अब सवाल ये है कि शैम्पू को हिंदी में क्या कहेंगे? चूंकि बालों के धोने की गतिविधि को संस्कृत और हिंदी में केशमार्जन कहा जाता है। ऐसे में बालों को धोने के उत्पाद को केश मार्जक कहा जाता है, यही शैम्पू के लिए हिंदी भाषा का शब्द है।

बीजेपी राज में दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बदतर : सिसोदिया

» तिलक नगर में सात साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म मामले में मोदी सरकार को घेरा

» केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी तीखा हमला

» कहा- अब काम करके दिखाये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलकनगर इलाके में सात साल की मासूम के साथ दरिंदगी को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला किया। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के राज में दिल्ली की कानून-व्यवस्था बद से बदतर हो गई है। तिलकनगर इलाके में एक मासूम बच्ची के साथ हुई घटना ने दिल्ली की बदहाल कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। अपराधियों में कोई डर नहीं है।

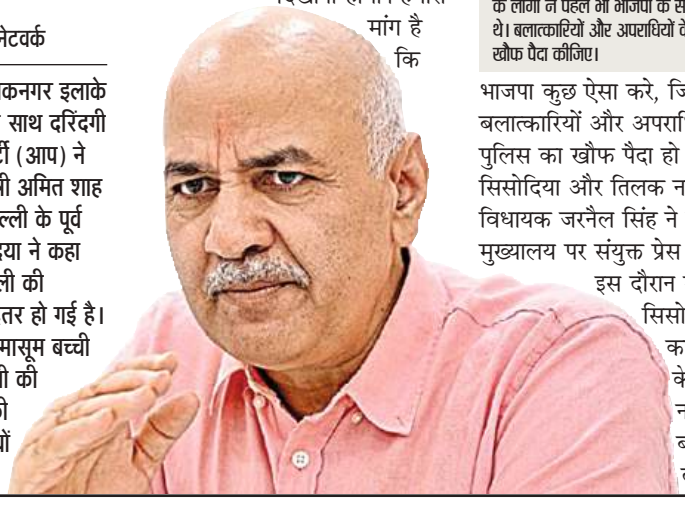

गाली देना बंद करें बीजेपी के लोग

उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था का पूरी तरह से मजाक बना हुआ है। अपराधियों और बलात्कारियों के मन में कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अब चुनाव खत्म हो गए हैं। भाजपा को चुनाव से पहले जितनी गाली-गलौज की राजनीति करनी थी, उसने कर ली। लेकिन, अब तो गाली-गलौज की अपनी आदतों को बदलकर कुछ काम कर लो। दिल्ली के लोगों ने भाजपा को पहले से दिल्ली की कानून-व्यवस्था दे रखी है। इन बलात्कारियों और अपराधियों के अंदर कानून का खौफ पैदा कीजिए। यह क्यों नहीं हो पा रहा है?

वहीं आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अब चुनाव खत्म हो चुका है। अब अरविंद केजरीवाल को गाली देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि भाजपा को कुछ काम करके दिखाना होगा। हमारी मांग है कि भाजपा कुछ ऐसा करे, जिससे बलात्कारियों और अपराधियों में पुलिस का खौफ पैदा हो। मनीष सिसोदिया और तिलक नगर से आप विधायक जरनैल सिंह ने पार्टी मुख्यालय पर संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के तिलक नगर से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है, जिसमें एक सात साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी की गई। यह हम सबके लिए बहुत चिंता की बात है कि दिल्ली में अपराधियों और महिलाओं के साथ गलत काम करने वालों के हौसले पूरी तरह से बुलंद हैं।

खौफ पैदा कीजिए

मनीष सिसोदिया ने कहा कि बलात्कारियों और अपराधियों को पता है कि जिनके पास कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी है, उनकी प्राथमिकता में यह नहीं है। इनके नेता जब भी बोलते हैं, तो केवल अरविंद केजरीवाल को गाली देते हैं। दिल्ली के लोगों ने पहले भी भाजपा के सात सांसद चुने थे। बलात्कारियों और अपराधियों के मन में कोई खौफ पैदा कीजिए।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी से भाजपा जीती : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के सांसद व प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में नकली बातें ज्यादा प्रभावी रहीं। हम इसे कम करने में कामयाब नहीं रहे। भाजपा ने धनबल और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता है। हम जनता को कोई दोष नहीं दे रहे हैं। सिर्फ दो फीसदी के अंतर से चुनाव हारे हैं। आप नेता संजय सिंह लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। केंद्र सरकार ने इस बार भी मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में मनमानी की है।

दिल दुखी है : जरनैल सिंह

पार्टी विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि तिलक नगर में सात साल की बच्ची के साथ जो हुआ, उसे लेकर दिल दुखी और रोष में भी है कि गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस इस तरह मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाओं को रोकने में नाकाम है। चेन स्नैचिंग, स्कूटी और गाड़ी चोरी जैसी घटनाएं इतनी आम हैं कि अब लोग इनकी गिनती नहीं करते हैं।

मप्र में कांग्रेस व भाजपा में जारी है वार-पलटवार

» भोपाल आएंगे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी, पटवारी-सिंघार ने दिल्ली में की मुलाकात

» बीजेपी ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में लगातार बदलाव का दौर चल रहा है इसी कड़ी में प्रदेश प्रभारी को भी बदल गया है भंवर जितेन्द्र सिंह की जगह हरीश चौधरी को प्रदेश का प्रभार दिया गया है। नए प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी कल पहली बार भोपाल आएंगे। वे पीसीसी में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं, कार्यकर्ताओं, विधायकों, पदाधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक लेकर मेल-मुलाकात करेंगे।

एक दिन पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार नई दिल्ली में अलग-अलग उनसे मुलाकात की है। इस पर भाजपा ने तंज कसा है बीजेपी नेता नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट कर इस मुलाकात को कांग्रेस में गुटबाजी का कैंसर बताया। मध्य प्रदेश कांग्रेस गुटबाजी से जूझ रही है खुद जीतू पटवारी कह चुके हैं कि कांग्रेम में गुटबाजी कैंसर की तरह है। ऐसे में हरीश चौधरी को प्रदेश संभालना एक बड़ी चुनौती होगी। प्रदेश कांग्रेस को जहां चुनावों में हार का सामना करना पड़ रहा है, दूसरी तरफ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भी टिक नहीं पा रहे हैं। तीन सालों में चार प्रभारी बदले जा चुके हैं। तीन दिन पहले भंवर जितेन्द्र सिंह को हटाकर राजस्थान के बायतू से विधायक हरीश चौधरी को मप्र का प्रभारी बनाया गया है। मोहन प्रकाश की जगह सितंबर 2017 में दीपक बावरिया को प्रदेश प्रभारी बनाया गया था।

कानून की कमियों को दुरुस्त करेंगे : उमर अब्दुल्ला

» तीन नए आपराधिक कानूनों पर गृह मंत्री के साथ की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर एक अहम बैठक की। शाह ने बैठक की अध्यक्षता की है। बैठक में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मौजूद रहे।

बैठक के बाद सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का नए आपराधिक कानूनों को लागू करने में काफी हद तक रोल ठीक रहा है। जहां कमी रही है, उस पर बात हुई उसे भी दुरुस्त किया जाएगा।साथ ही आगे कहा कि लोगों को नए कानूनों की पूरी जानकारी हो, इसके लिए भी पहल की जाएगी। इससे पहले जो दो बैठक हुई थी, वो सुरक्षा से संबंधित थी, अगर सुरक्षा से संबंधित बैठकों में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार को शामिल न करने का फैसला लिया जाता है, तो ठीक है।जम्मू कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से कानून और व्यवस्था सीधे केंद्र सरकार क द्वारा नियंत्रित की जाती है। क्योंकि तत्कालीन राज्य को 2019 में जम्मू और कश्मीर और लद्दाख को अलग कर दिया गया था।

जौनपुर में हादसा : हाईवे पर आपस में भिड़े कई वाहन

» आठ श्रद्धालुओं की मौत, 33 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। वाराणसी- लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग 731 के सरोखनपुर अंडर पास पर भीषण हादसा हुआ। दो वाहनों की भिड़ंत में टाटा सूमो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी घटना के समय एक बस ट्रेलर से भिड़ गई। इस हादसे में बस में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए है।

सभी घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बस में सवार सभी लोग दिल्ली के बताए जा रहे हैं, जो चित्रकूट से प्रयागराज होकर वाराणसी दर्शन के बाद अयोध्या जा रहे थे। वहीं सूमो सवार सभी झारखंड के हैं, जो वाराणसी से अयोध्या दर्शन करने जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना उस वक्त हुई जब बस में सवार दर्शनार्थी सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ बस ट्रेलर से भिड़ी तो दर्शनार्थी हैरान रह गए। सोने के कारण कई लोग अचानक झटके से चोटिल हुए। वहीं आगे बैठे दर्शनार्थी बुरी तरह घायल हो गए। वहीं सूमो में सवार दर्शनार्थी भी आधी नींद में ही थे। घटना के बाद आनन- फानन सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा है। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे मय फोर्स व तहसीलदार राकेश कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने सभी घायलों को उपचार हेतु सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने सभी आठ शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पहली घटना में झारखंड से 11 दर्शनार्थियों को लेकर निकली सूमो जे एच 02 ए एक्स 1652 काशी विश्वनाथ दर्शन के बाद राम लला का दर्शन करने अयोध्या जा रही थी। रात लगभग डेढ़ बजे के करीब सरोखनपुर गांव स्थित अंडर पास पुल से 200 मीटर आगे बढ़ी थी, कि किसी अज्ञात बड़े वाहन ने बगल से टक्कर मार दी। हादसे में सूमो में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान पर जीत से किया आगाज

» चैंपियंस ट्रॉफी की रंगारंग शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कराची। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 60 रनों से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के साथ आगाज किया। दिलचस्प बात यह है कि चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का चार बार आमना-सामना हुआ है, जिसमें कीवियों ने चारों मुकाबले अपने नाम किए हैं। यह इस टीम की पाकिस्तान पर चौथी जीत है।

इससे पहले टीम ने 2000 (04 विकेट), 2006 (51 रन) और 2009 (05 विकेट) में पाकिस्तान को मात दी थी। कराची के राष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉम लाथम और विल यंग के शतकों से 50 ओवर में पांच विकेट पर 320 रन बनाए थे। जवाब में गत चैंपियन पाकिस्तान की पूरी टीम 47.2 ओवर में 260 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए खुशदिल शाह और बाबर आजम ने अर्धशतक जड़े, लेकिन यह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं रहे।

बाबर और खुशदिल की मेहनत पर फिरा पानी

लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और 69 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। बाबर आजम ने 90 गेंदों पर 64 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी काफी धीमी रही जिससे बल्लेबाजों पर रन गति बढ़ाने का दबाव बढ़ा। खुशदिल ने अंत में कुछ शॉट लगाए, लेकिन वह भी 49 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 69 रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान के लिए बाबर और खुशदिल के अलावा सलमान आगा ने 24 रन, सऊद शकील ने 6, मोहम्मद रिजवान ने 3, तैयद ताहीर ने 1, शाहीन अफरीदी ने 14, नसीम शाह ने 13 और हारिस रऊफ ने 19 रन बनाए।

विल यंग और टॉम लाथम की शतकीय पारी

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने विल यंग और टॉम लाथम के शतक तथा ग्लेन फिलिप्स के अर्धशतक की मदद से पाकिस्तान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। यंग ने लाथम के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई जिससे न्यूजीलैंड की पारी संभली। यंग 113 गेंदों पर 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 107 रन बनाकर आउट हुए, जबकि टॉम लाथम 104 गेंदों पर 10 चौके और तीन छक्के के दम पर 118 रन बनाकर नाबाद लौटे। फिलिप्स भी पचासा लगाने में सफल रहे और 39 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज नसीम शाह और हारिस रऊफ को दो-दो विकेट मिले, जबकि स्पिनर अबरार अहमद ने एक विकेट झटका।

यूपी पहुंचने पर राहुल गांधी का जोरदार स्वागत

लखनऊ एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़, नेता प्रतिपक्ष संवाद रायबरेली के युवाओं से करेंगे, अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचें सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे। इससे पहले लखनऊ एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। पूरे एयरपोर्ट परिसर में नेता प्रतिपक्ष लोस के स्वागत में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का अपार भीड़ थी। लोग राहुल गांधी की जय-जय कार रहे थे।उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

सांसद निर्वाचित होने के बाद यह उनकी पहली यात्रा है, जिसमें वे युवाओं और महिलाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और समाधान पर चर्चा करेंगे। इस दौरे के दौरान राहुल गांधी रायबरेली में कई महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा करेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। वे पूर्व सांसद सोनिया गांधी की निधि से कराए गए कार्यों की जमीनी हकीकत का भी आकलन करेंगे। खासकर सिटी रिसोर्स सेंटर और बालिका इंटर कॉलेज जैसी संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे।

तय कार्यक्रम के मुताबित राहुल गांधी गुरुवार सुबह दिल्ली से लखनऊ पहुंचेंगे और फिर सड़क मार्ग से रायबरेली रवाना होंगे। चुरुवा बॉर्डर स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद वे बछरावां के एक गेस्ट हाउस में सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वे शहर में कांग्रेस पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। दोपहर 12 से 12:30 बजे तक वे बरगद चौराहा स्थित मूल भारती हॉस्टल के छात्रों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं पर चर्चा करेंगे।

प्रतिमा का करेंगे अनावरण

दोपहर 1 बजे से 1:40 बजे तक कठघर और उतरपारा में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं से मिलेंगे। इसके बाद वे 2:10 से 3:10 बजे तक जगतपुर के शंकरपुर स्थित राणा बेनी माधव सिंह इंटर कॉलेज में राणा बेनी माधव की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। राहुल गांधी के सिटी रिसोर्स सेंटर जाने की भी चर्चा है।

कल वापस लौटेंगे दिल्ली

21 फरवरी को उनके कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 से 11 बजे तक भुएमऊ गेस्ट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक से होगी। इसके बाद सुबह 11:30 से 11:40 बजे तक वे वीरा पासी प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। दोपहर 12:10 से 12:50 बजे तक वे रेल कोच फैक्टरी, लालगंज का दौरा करेंगे। इसके बाद दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक वे लालगंज के एक गेस्ट हाउस में युवाओं से संवाद करेंगे। दौरा समाप्त होने के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

राहुल गांधी के ब्रिटिश नागरिक होने संबंधी आवेदन के मामले में हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को लगाई फटकार

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को स्पष्ट करने का निर्देश दिया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ब्रिटिश नागरिक होने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी की दावे संबंधी आवेदन पर अभी तक जवाब क्यों नहीं दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय एवं जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा से संबंधित अधिकारी से निर्देश लेने को कहा और सुनवाई 26 मार्च के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने एएसजी से कहा कि स्वामी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट या यहां के हाईकोर्ट में लंबित याचिका पर निर्णय लेने की मांग नहीं की है। उन्होंने सिर्फ अपने अभ्यावेदन पर उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी है। इसलिए वे इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारी से जानकारी लेकर बताएं। बता दें कि स्वामी ने पीठ को बताया था कि सरकार ने गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे उनकी ब्रिटिश नागरिकता के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था, लेकिन गांधी की ओर से इसका कोई जवाब नहीं आया है। इसके बाद सरकार की ओर से भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

रेखा गुप्ता ने ली दिल्ली के सीएम पद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शालीमार बाग से भाजपा विधायक रेखा गुप्ता ने दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ले ली। उनका शपथ ग्रहण समारोह रामलीला मैदान पर हुआ। बीजेपी शासित कई राज्यों के सीएम, डिप्टी सीएम भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। रेखा गुप्ता के साथ 6 मंत्रियों ने भी शपथ लिया। इसमें अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह का नाम शामिल है।

» प्रवेश वर्मा समेत 6 मंत्री बने

शपथ से पहले रेखा गुप्ता ने गुरुवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा कि यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं पीएम मोदी और पार्टी हाईकमान का शुक्रिया अदा करती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दिल्ली की सीएम बनूंगी।

मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी। उनके मंत्रिपरिषद में प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, पंकज सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा और रविंदर इंद्राज शामिल हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित अन्य शीर्ष भाजपा नेता इस समारोह में पार्टी के मेगा शक्ति प्रदर्शन के रूप में भाग ले रहे हैं। मनोनीत मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा द्वारा उन्हें इस पद के लिए चुना जाना प्रधानमंत्री के महिला सशक्तीकरण के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

अपनी आखिरी सांस तक बीजेपी में रहूंगा : परवेश वर्मा

परवेश वर्मा ने साफ तौर पर नाराजगी की खबरों को इनकार किया है। परवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली के प्रति हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। दिल्ली के लोगों ने हमें बहुत प्यार और आशीर्वाद दिया। 27 साल बाद बीजेपी आज दिल्ली में सरकार बनाने जा रही है। मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं जिनके विकास पर लोगों ने भरोसा किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों को भरोसा है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम दिल्ली को दुनिया की सबसे खूबसूरत राजधानी बनाने में सफल होंगे, मैं पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा, एचएम अमित शाह को धन्यवाद देता हूं। नेतृत्व में हमें दिल्ली के लिए अच्छी दिशा मिली और हमने सरकार बनाई। मैं दिल्ली के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत रंग लाई ह, मैं दिल्ली की जनता को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमें 48 सीटें दी। हम अपने घोषणापत्र में किए गए सभी वादे पूरे करते हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि मैं बीजेपी का अनुशासित कार्यकर्ता हूं और हमेशा रहूंगा, मैं अपनी आखिरी सांस तक बीजेपी में रहूंगा। पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी, मैं उसे निभाऊंगा।

पंजाब के पास किसी भी राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं : मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य के पास किसी भी प्रदेश को देने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है। मान ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच नदी जल विवादों के निपटारे के लिए गठित 'रावी ब्यास जल अधिकरण' के समक्ष यह बात कही।

अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विनीत सरन, सदस्यों न्यायमूर्ति पी. नवीन राव और न्यायमूर्ति सुमन श्याम तथा रजिस्ट्रार रीता चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य के पास किसी अन्य राज्य के साथ साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है और किसी के साथ पानी की एक बूंद भी साझा करने का सवाल ही नहीं उठता।एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मान ने कहा कि पंजाब के पास किसी अन्य राज्य के साथ साझा करने के लिए कोई अतिरिक्त पानी नहीं है और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार पानी की उपलब्धता का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है।

केंद्र को जारी की सुप्रीम नोटिस

लोकपाल के आदेश पर शीर्ष अदालत ने लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि उसे लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की जांच करने की शक्ति है। लोकपाल के आदेश को बहुत परेशान करने वाला बताते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और लोकपाल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने 27 जनवरी को भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल लोकपाल द्वारा पारित आदेश के बाद इस मामले को स्वत- संज्ञान में लिया था, जब वह एक उच्च न्यायालय के मौजूदा अतिरिक्त न्यायाधीश के खिलाफ दायर दो शिकायतों पर सुनवाई कर रहा था। हालाँकि, शीर्ष अदालत ने शिकायतकर्ता को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के नाम का खुलासा नहीं करने का निर्देश दिया। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि लोकपाल की व्याख्या गलत है और हाई कोर्ट के जज लोकपाल के दायरे में नहीं आ सकते।

लोकपाल का फैसला तब आया जब वह दो शिकायतों पर सुनवाई कर रहा था जिसमें एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश और एक अन्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था जो एक कंपनी द्वारा शिकायतकर्ता के खिलाफ दायर मुकदमे से निपट रहे थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कंपनी पहले हाई कोर्ट के जज की क्लाइंट थी, जबकि वह वकील थे।

न्यायमूर्ति एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली लोकपाल पीठ ने फैसला सुनाया कि उच्च न्यायालय का न्यायाधीश लोक सेवक की परिभाषा के अंतर्गत आता है और लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम न्यायाधीशों को बाहर नहीं करता है।

निष्क्रिय हो चुकी है नीतीश सरकार : तेजस्वी

बोले- चंद अधिकारी और नेता खजाना लूटने में लगे, सरकार को हटाने का मन बना चुकी है जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नालंदा। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि एनडीए सरकार के पास काम करने की इच्छाशक्ति नहीं बची है। उन्होंने बिहार सरकार की तुलना पुरानी हो चुकी गाड़ियों से की। कहा कि जैसे सरकार 15 साल पुरानी गाड़ियों को चलाने की इजाजत नहीं देती क्योंकि वह खटारा हो जाती हैं और प्रदूषण फैलाती हैं और बार-बार सर्विसिंग की जरूरत पड़ती है। इसी तरह पिछले 20 साल बिहार में चल रही सरकार अब भी अब निष्क्रिय हो गई है।

चाचा जी केवल नाम की ही मुख्यमंत्री हैं। असली सत्ता तो चंद अधिकारी और नेता चला रहे हैं। वह सरकारी खजाने की लूट में लगे हैं। तेजस्वी ने बिहार में बदलाव का समय

आ गया है और जनता अब इस सरकार को हटाने का मन बना चुकी है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब वह जी-20 सम्मेलन में थे, तब कहते थे कि सरकारी नौकरी देना असंभव है। लेकिन हमने अपने 17 महीने के कार्यकाल में गांधी मैदान से ऐलान कराया और उसी मैदान में नियुक्ति पत्र भी बांटे। जो असंभव लग रहा था, हमने उसे संभव कर दिखाया। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री अब उम्रदराज हो चुके हैं और राज्य को सही तरीके से नहीं चला पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार में विकास ठप हो चुका है, गरीबी, पलायन और महंगाई चरम पर है। स्मार्ट मीटर और जमीन सर्वेक्षण से लोग परेशान हैं।

बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में नेता प्रतिपक्ष

बीपीएससी अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन पर भी तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार थी, तब किसी परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ था। लेकिन अब लगातार परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, जिससे अभ्यर्थियों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस मसले पर उनकी चिट्ठी का भी जवाब नहीं मिला, जिससे यह साफ होता है कि सरकार इस मामले में गंभीर नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।